INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SOCIOLOGY & HUMANITIES

ISSN 2277 – 9809 (online)
ISSN 2348 - 9359 (Print)

An Internationally Indexed Peer Reviewed & Refereed Journal

www.IRJMSH.com
www.isarasolutions.com

Published by iSaRa Solutions

ढाका (बांग्लादेश) का लालबाग फोर्टः 17वीं शताब्दी की मुगल वास्तुकला, सामरिक महत्व और अपूर्णता का एक ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक अध्ययन

शोधकर्ता–डॉ. राम विजय शर्मा,

एम.ए. (इतिहास) – प्रथम श्रेणी, पी–एच.डी. (इतिहास), यू.जी.सी. नेट (इतिहास) छत्तीसगढ़ सेट (इतिहास) इतिहासकार, पुरातत्ववेता एवं अंतर्राष्ट्रीय शोधकर्ता, रायपुर भारत)

डॉ. राम विजय शर्मा, इतिहासकार, पुरातत्ववेता एवं अतर्राष्ट्रीय शोधकर्ता ढाका का लालबाग फोर्ट पर शोध करते हुए।
तिथि : 04 नवम्बर 2018

1. अमूर्त (Abstract)

प्रस्तुत शोधप पत्र बांग्लादेश की राजधानी ढाका में स्थित 17वीं शताब्दी के ऐतिहासिक 'लालबाग फोर्ट' (मूल नामः किला औरंगाबाद) की वास्तुकला, सैन्य सामरिकता और इसके अपूर्ण रह जाने के ऐतिहासिक कारणों का एक व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यह किला सुबा–ए–बंग्ला (मुगल बंगाल) में शाही सत्ता के सुदृढ़ीकरण और तत्कालीन क्षेत्रीय चुनौतियों के विरूद्ध एक अभेद्य सैन्य गढ़ के रूप में परिकल्पिक किया गया था। इस शोध के अंतर्गत किले की अद्वितीय 'चारबाग' उद्यान शैली, शैली, भूकंप रोधी निर्माण तकनीक, 'छद्म वास्तुकला' (Fasle Architecture) और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में इसकी औपनिवेशिक भूमिका का पुरातात्विक दृष्टिकोण से मूल्यांकन किया गया है।

2. प्रस्तावना (Introduction)

मुगल वास्तुकला ने भारतीय उपमहाद्वीप में स्थापत्य कला के नए प्रतिमान स्थापित किए। जहाँ दिल्ली, आगरा और लाहौर जैसे केंद्रीय नगरों में मुगलों ने अपनी भव्यता का प्रदर्शन किया, वहीं सुदूर पूर्व के प्रांतों में वास्तुकला का उपयोग प्रांतीय सुरक्षा और प्रशासनिक नियंत्रण के लिए किया गया। ढाका का लालबाग किला इसका सबसे उत्कृष्ट उदाहरण है। सन् 1678 में सम्राट औरंगज़ेब के तृतीय पुत्र राजकुमार मुहम्मद आज़म शाह द्वारा शुरू किया गया यह किला आज भी अपनी स्थापत्य कला की विशिष्टता और अपने इतिहास की त्रासदियों के लिए जाना जाता है।

3. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और अपूर्णता के कारण (Historical Background)

लालबाग किले का निर्माण कार्य सुबा–ए–बंगाल में अराकान के मघ (Magh) डाकुओं और पुर्तगाली समुद्री आक्रमणकारियों के बढ़ते प्रभाव को रोकने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। प्रशासनिक दस्तावेजों के अनुसार, इस परिसर को 'दार–उल–खिलाफत' (राजधानी का गढ़) के रूप में विकसित किया जाना था।

निर्माण कार्य के बीच में ही राजकुमार आज़म शाह को उनके पिता औरंगज़ेब द्वारा मराठा अभियानों के कारण दिल्ली वापस बुला लिया गया। इसके पश्चात, बंगाल के नए सूबेदार शाइस्ता खान ने कार्य को आगे बढ़ाया। परंतु 1684 ईस्वी में शाइस्ता खान की प्रिय पुत्री 'ईरान दुख्त' (जिन्हें इतिहास में 'परी बीबी' कहा जाता है) की इसी किले में आकस्मिक मृत्यु हो गई। इस घटना से व्यथित होकर शाइस्ता खान ने इस परिसर को 'अपशकुनी' मानते हुए इसका निर्माण कार्य हमेशा के लिए रोक दिया।

4. वास्तुकला और इंजीनियरिंग की विशेषताएं (Architectural-Engineering Analysis)

4.1 समरूपता और योजना (Symmetry and Axis)

लालबाग किला मुगल 'संतुलन और समरूपता' (Linear Symmetry) का एक अद्भत प्रतिरूप है। परिसर की तीन मुख्य संरचनाएं–तीन गुंबदों वाली शाही मस्जिद, परी बीबी का मकबरा और दीवान–ए–आम (राजकीय हॉल)–एक ही रैखिक धुरी (Alignment Axis) पर स्थित हैं। मस्जिद और दीवान–ए–आम, केंद्रीय मकबरे से बिल्कुल समान दूरी पर पूर्व और पश्चिम में बनाए गए हैं।

4.2 छद्म वास्तुकला (False Architecture)

किले का 'दीवान–ए–आम' मुगलों की भ्रम पैदा करने वाली स्थापत्य कला का उदाहरण है। बाहर से देखने पर यह इमारत द्वि–मंजिला (Two-Storey) प्रतीत होती है, क्योंकि इसमें खिड़कियों और मेहराबों को दो स्तरों पर सजाया गया है। परंतु आंतरिक रूप से यह केवल एक ही मंजिला (Single-Storey) है। इसका मुख्य उद्देश्य इमारत को बाह्य रूप से अधिक विशाल और भव्य प्रदर्शित करना था।

4.3 निर्माण सामग्री और भूकंप रोधी तकनीक

बंगाल की पारंपरिक वास्तुकला मुख्य रूप से टेराकोटा और स्थानीय ईंटों पर आधारित थी। इसके विपरीत, लालबाग किले में राजस्थान (मकराना) से सफेद संगमरमर और बिहार से काला बेसाल्ट पत्थर मंगाया गया था। भूवैज्ञानिक दृष्टिकोण से, चूने और सुर्खी (पिसी ईंटों) के गारे में 'शीरा' (Molasses) और 'अंडों की सफेदी' का जैविक मिश्रण किया गया था। यह लेप दीवारों को जलरोधी (Waterproof) बनाने के साथ–साथ भूकंप के झटकों को सोखने की रासायनिक क्षमता (Elasticity) प्रदान करता था।

5. सामरिक महत्व और सैन्य संरचनाएं (Strategic and Military Importance)

हाल के पुरातात्विक उत्खनन से यह स्पष्ट हुआ है कि लालबाग किला केवल एक आवासीय महल नहीं, बल्कि बूढ़ीगंगा नदी के मार्ग को नियंत्रित करने वाला एक सैन्य दुर्ग था।

- **कैसमेट्स (Casemates):** दक्षिणी प्राचीर के नीचे छिपे हुए बख्तरबंद कमरे मिले हैं, जहाँ तोपें तैनात की जाती थीं।
- **नवाड़ा (Mughal Navy) का नियंत्रण:** किले की ऊंचाई से मुगल नौसेना (नवाड़ा) के बेड़ों को सीधे रणनीतिक निर्देश दिए जाते थे।
- **आपातकालीन निकास (Tunnels):** किले के भीतर बनी गुप्त सुरंगें वैज्ञानिक रूप से युद्ध के समय सुरक्षित निकास द्वार थीं, जो नदी के नीचे से होते हुए 'जिंजिरा किले' तक जुड़ती थीं।

6. औपनिवेशिक काल और 1857 का विद्रोह (The Colonial Era Role)

मुगल सत्ता के कमजोर होने के बाद, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने इस किले के सामरिक महत्व को देखते हुए इसे एक सैन्य बैरक और कोर्टहाउस में बदल दिया। 22 नवंबर 1857 को, जब भारतीय सिपाहियों ने ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ विद्रोह किया, तब लालबाग किला क्रांतिकारियों का मुख्य गढ़ बना। लेफ्टिनेंट लुईस के नेतृत्व में ब्रिटिश नौसैनिक बल ने किले पर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप एक भीषण संघर्ष हुआ और कई भारतीय सैनिक देश की स्वतंत्रता के लिए शहीद हुए।

7. निष्कर्ष (Conclusion)

लालबाग किला मुगल साम्राज्य के प्रांतीय स्थापत्य का एक ऐसा अनूठा अध्याय है जो पूर्णता को प्राप्त न कर सका, फिर भी अपने अवशेषों में कला, इंजीनियरिंग और इतिहास के गहरे रहस्यों को समेटे हुए है। इसकी निर्माण शैली दिल्ली और आगरा के मुगलों से प्रेरित होते हुए भी स्थानीय भौगोलिक आवश्यकताओं के अनुकूल थी। आज यह न केवल बांग्लादेश की सांस्कृतिक धरोहर है, बल्कि पूरे भारतीय उपमहाद्वीप के साझा इतिहास, स्थापत्य कला के स्वर्ण काल और औपनिवेशिक संघर्ष का एक अमर प्रतीक है।

शोध संदर्भ (References for Academic Purpose)

1. स्वयं का शोध कैंप–ढाका (बांग्लादेश) दिनांक 03 नवम्बर 2018 से 06 नवम्बर 2018
2. भेंटवार्ता श्री गोपेश शर्मा, स्नातकोत्तर छात्र (इतिहास) ढाका विश्वविद्यालय, ढाका (बांग्लादेश) आवास–जगन्नाथ हॉल तिथि 04 नवम्बर 2018
3. भेंटवार्ता श्री राजीव विश्वास स्नातकोत्तर छात्र (इतिहास) ढाका विश्वविद्यालय, ढाका (बांग्लादेश) आवास–जगन्नाथ हॉल तिथि 04 नवम्बर 2018
4. भेंटवार्ता श्री फैज अहमद, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, पी–एच.डी. शाखा, ढाका विश्वविद्यालय, ढाका (बांग्लादेश) तिथि 05 नवम्बर 2018
5. भेंटवार्ता श्री जमाल साहब, डिप्टी रजिस्ट्रार (पी–एच.डी. शाखा) ढाका विश्वविद्यालय, ढाका (बांग्लादेश) तिथि 05 नवम्बर 2018

6. प्राथमिक एवं ऐतिहासिक स्रोत (Primary & Historical Sources)

- **Sarkar, J. (1948).** The History of Bengal (Volume II): Muslim Period, 1200-1757. Dhaka: The University of Dhaka. (यह पुस्तक सुबा–ए–बंगाल के प्रशासनिक राजस्व और राजकुमार आज़म शाह के दौर के प्राथमिक दस्तावेज प्रस्तुत करती है)।

- **Khan, S.A. (1904).** Tarikh-i-Nusratjangi. (मुगल बंगाल और विशेष रूप से ढाका के सूबेदारों के पारिवारिक इतिहास और सैन्य अभियानों का फारसी वृत्तांत)।

7. प्रामाणिक पुस्तकें और मोनोग्राफ (Books & Monographs)

Māmuna, M. (2016). Lalbagh Fort and Boro Katra of Dhaka (Translated by S. T. Husain). Dhaka: Journeyman Books.

Ahmed, N. (1984). Discover the Monuments of Bangladesh. Dhaka: University Press Limited (UPL)/UNESCO. (इसमें लालबाग किले के पुरातात्विक उत्खनन और रासायनिक संरक्षण तकनीकों का विवरण है)।

Dani, A. H. (1962). Muslim Architecture in Bengal. Dacca: Asiatic Society of Pakistan. (बंगाल में मुगल वास्तुकला की समरूपता और छद्म वास्तुकला तकनीकों का प्रमुख स्रोत)।

Karim, A. (1964). Dacca: The Mughal Capital. Dacca: Asiatic Society of Pakistan. (ढाका के जहांगीरनगर बनने और लालबाग किले के सामरिक स्थिति का भौगोलिक मूल्यांकन)।

8. शोध पत्र एवं अकादमिक जर्नल (Research Papers & Journal Articles)

- **Shamsuzzoha, A., & Islam, H. (1970).** "Structure, decoration and materials: Mughal Mosques of medieval Dhaka." Journal of the Bangladesh Association of Young Researchers, 1(1), 93-107. (शाही मस्जिद और हम्माम खाना के निर्माण सामग्री का वैज्ञानिक विश्लेषण)।
- **Rashid, M. (2011).** "Lalbagh Rethought: Exploring the incomplete Mughal fortress in Dhaka." International Conference on Universal Design in Built Environment (ICUDBE). (किले की अपूर्णता और ज्यामितीय समरूपता पर विशेष समीक्षा)।
- **Islam, S., & Rahman, M. (2019).** "A Walk Through the History and Exploring the Conservation Project of Lalbagh Kella, an Incomplete Mughal Fort." American Journal of Interdisciplinary Research and Innovation. (वर्तमान संरक्षण और यूनेस्को की संभावित सूची से जुड़े तथ्यों का विवरण)।

9. डिजिटल आर्काइव्स एवं इनसाइक्लोपीडिया (Digital Archives & Encyclopedias)

- **Rahman, H. (2012).** "Lalbagh Fort." In Banglapedia: National Encyclopedia of Bangladesh (Second ed.). Dhaka: Asiatic Society of Bangladesh.
- **Archnet Digital Library.** "Lalbagh Fort Garden, Dhaka, Bangladesh." Archnet.org. (किले के चारबाग उद्यान डिजाइन और जल प्रणालियों के आर्किटेक्चरल ब्लूप्रिंट्स)।

ISARA INSTITUTE OF MANAGEMENT & PROFESSIONAL STUDIES

WWW.IIMPS.IN

EARN YOUR

MBA

Accreditation & Ranking

UGC / NCTE Approved.

INFO@IIMPS.IN

011-41005174

RESEARCH GATEWAY

STOP PLAGIARISM

1 Submit your content in Word File.

2 Get report in 48 hrs.

3 *Missing content or references will be fixed.

4 Citation for your work.

5 Get accurate user friendly report.

researchgateway.in | info@researchgateway.in

+91-9205579779

AROGYAM ONLINE

Arogyam Ayurveda

Holistic Healing through herbs

100% NATURAL

PARIVARTAN PSYCHOLOGY CENTER

COLOR PSYCHOLOGY : HOW COLOR AFFECT YOUR CHILD

BLUE — Calms your Child's Mind & Body

YELLOW — Promotes Concentration, Stimulates the Memory

PINK — Evokes Empathy, makes your Child Calm

RED — Excites and energizes your Child's body

GREEN — Improves Reading speed and Comprehension

www.parivartan4u.com

Confuse about your children's future?

भारतीय भाषा, शिक्षा, साहित्य एवं शोध

ISSN 2321 – 9726

WWW.BHARTIYASHODH.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SCIENCE & TECHNOLOGY

ISSN – 2250 – 1959 (0) 2348 – 9367 (P)

WWW.IRJMST.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF COMMERCE, ARTS AND SCIENCE

ISSN 2319 – 9202

WWW.CASIRJ.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SOCIOLOGY & HUMANITIES

ISSN 2277 – 9809 (0) 2348 - 9359 (P)

WWW.IRJMSH.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF SCIENCE ENGINEERING AND TECHNOLOGY

ISSN 2454-3195 (online)

WWW.RJSET.COM

INTEGRATED RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT, SCIENCE AND INNOVATION

ISSN 2582-5445

WWW.IRJMSI.COM

JOURNAL OF LEGAL STUDIES,POLITICS AND ECONOMICS RESEARCH

WWW.JLPER.COM